S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
01	Patrika	Indore	02.10.2023	03	मेट्रो आई, अब फ्लाई ओवर सिटी की ओर इंदौर.. ट्रैफिक से मिलेगी निजात	Neutral

INDOREPRIME
इंदौर प्राइम
पत्रिका
इंदौर, सोमवार, 02 अक्टूबर 2023

#IndoreNextLevel: कुछ का निर्माण जारी, कुछ का भूमिपूजन, कुछ की योजना प्रस्तावित, विशेषज्ञ बोले- तकनीकी रूप से पुख्ता बने ब्रिज, ताकि ट्रैफिक की स्पीड बढ़े

मेट्रो आई, अब फ्लाई ओवर सिटी की ओर इंदौर...ट्रैफिक से मिलेगी निजात

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. ट्रैफिक समस्या से जूझ रहे शहर में कुछ समय पहले तक फ्लाई ओवर ब्रिजों की मांग की जा रही थी और अब मेट्रो ट्रेन आने के साथ ही हमारा शहर फ्लाई ओवर सिटी बनने की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। शहर में कई ओवर ब्रिज के निर्माण का काम चल रहा है।

शुक्रवार को कुछ नई निर्माण कार्य का भूमिपूजन मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के हाथों हुआ। कुछ ब्रिज के निर्माण की योजना प्रस्तावित है। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि ओवर ब्रिज बनाने से फायदा होगा, लेकिन ज्यादा फायदा हो इसलिए तकनीकी आधार पर सर्वे कर ही काम करें। ब्रिज बनने से ट्रैफिक की स्पीड बढ़े तो जनता को बड़ा फायदा होगा।

ट्रैफिक से सभी परेशान

छोटे शहरों में ट्रैफिक की समस्या का हल करने के लिए फ्लाई ओवर ब्रिज का निर्माण हो रहा है, लेकिन इस मामले में इंदौर पीछे था। शहर के हर वर्ग के लिए ट्रैफिक की समस्या का हल करने के लिए ब्रिज निर्माण की मांग की जा रही थी। पिछले कुछ समय में इसमें तेजी से काम हुआ है और अब इंदौर के फ्लाई ओवर सिटी बनने की स्थिति बन गई है।

शहर में पहले से हैं ये ओवर ब्रिज

- अभी सबसे पुराना शास्त्री ब्रिज, पटेल ब्रिज है। इसके बाद जूनी इंदौर, बाणगंगा, राजकुमार ब्रिज, भंडारी ब्रिज, राजेंद्र नगर ब्रिज, माणिकबाग, गाड़ी अड्डा ब्रिज का निर्माण हुआ, जिससे यहां फायदा हुआ। रेलवे क्रॉसिंग में अटकने वाला ट्रैफिक सुचारू हो पाया है।
- पिछले दो साल में बंगाली चौराहा और पीपल्याहाना ब्रिज का निर्माण पूरा हुआ, जिससे काफी सहूलियत है।

यहां चल रहा तेजी से काम, इस साल एक लेन पूरा करने पर ध्यान

- शहर में इस समय खजराना और भंवरकुआं चौराहा पर ब्रिज का काम चल रहा है। आइडीए के अधिकारी प्रयास में हैं कि खजराना व भंवरकुआं की एक लेन इस साल पूरी कर ली जाए, जिससे ट्रैफिक की परेशानी का समाधान हो सके।
- फूटी कोठी चौराहा, राऊ गोल चौराहे पर ब्रिज बन रहे हैं। 2 साल के अंदर पूरा करने का लक्ष्य है।
- लवकुश चौराहे पर एमआर-10 को सुपर कॉरिडोर से जोड़ने ब्रिज का काम तेजी चल रहा है।
- बायपास पर एमआर-10 जंक्शन पर काफी समय से परेशानी है। रॉन साइड वाहनों के कारण कई गंभीर दुर्घटनाएं हुई हैं। यहां एनएचएआइ ब्रिज बना रहा है। दो साल में इसे पूरा करने का लक्ष्य है। इससे क्रॉसिंग की समस्या खत्म हो जाएगी।

यहां फ्लाई ओवर और डबल डेकर का हुआ भूमिपूजन

- कई फ्लाई ओवर व रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण का भूमिपूजन हुआ है। इसमें मुख्य है एक्सीडेंट के ब्लैक स्पॉट लवकुश चौराहे पर डबल डेकर ब्रिज। यहां मेट्रो के साथ ही एक फ्लाई ओवर ब्रिज बन रहा है। सांवेर रोड को जोड़ने के लिए इनसे ऊपर डबल डेकर ब्रिज बनाया जा रहा है।
- राऊ में रेती मंडी चौराहा के साथ ही पोलोग्राउंड रेलवे क्रॉसिंग और गौरीनगर, बाणगंगा को जोड़ने वाले रेलवे क्रॉसिंग पर ब्रिज निर्माण का भूमिपूजन हुआ है।
- बीआरटीएस पर देवास नाका और सत्य साईं चौराहा। रिंग रोड के आइटी पार्क चौराहे पर भी ब्रिज का भूमिपूजन हुआ।

एलिवेटेड ब्रिज के साथ कई ब्रिज की योजना

- अलग-अलग एजेंसियों ने अन्य कई ब्रिज बनाने की योजना पर काम शुरू कर दिया है। मांगलिया में रेलवे ओवर ब्रिज के साथ ही मऊ नाका चौक पर 6 लेन ब्रिज की योजना है। शासन से मंजूरी मांगी गई है।
- आइडीए ने बंगाली चौराहे के पास से बायपास पार कनाड़िया तक एलिवेटेड ब्रिज की योजना बनाई है, सर्वे चल रहा।
- ट्रैफिक पुलिस ने ट्रैफिक समस्या को देखते हुए आस्था टॉकीज चौराहा, कालानी नगर चौराहे पर ओवर ब्रिज प्रस्तावित किया है।

पुख्ता योजना से बनाए ब्रिज...

शहर में फ्लाई ओवर बनते हैं तो उनसे ट्रैफिक को फायदा होगा। ब्रिज बनाने का उद्देश्य ट्रैफिक की गति बढ़ाना होना चाहिए। ब्रिज बनाने का काम तकनीकी आधार पर सर्वे कर होना चाहिए। अभी शहर में वाहनों की औसत स्पीड 15 किमी प्रति घंटा है, जो 25 से 30 किमी प्रति घंटा होना चाहिए। ब्रिज बनने के बाद ट्रैफिक स्पीड डबल हो तो ही अच्छा फायदा माना जाएगा। **अतुल सेठ,** आर्किटेक्ट

पहले ट्रैफिक का मूवमेंट समझें...

शहर में फ्लाई ओवर बनना अच्छी बात है, इससे ट्रैफिक सुगम होगा। हालांकि ब्रिज की डिजाइन को अंतिम रूप देते समय उसकी ज्यादा उपयोगिता को ध्यान में रखना होगा। रिंग रोड पर जो नए ब्रिज बनने हैं, उससे काफी सुविधा हुआ है। बंगाली चौराहे पर जो ब्रिज बना है, उसे अगर तिलकनगर से कनाड़िया की ओर बनाया जाता तो ज्यादा फायदा हो सकता था। - **संदीप नारुलकर,** प्रोफेसर एसजीएसआइटीएस

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
02	Patrika	Indore	02.10.2023	06	सुरक्षा मानकों पर खरी उतरी हमारी मेट्रो, अब स्टेशन व ट्रैक का काम पूरा करने पर जोर	Positive

INDOREPRIME
इंदौर प्राइम
पत्रिका
इंदौर, सोमवार, 02 अक्टूबर 2023

वडोदरा से जल्द आएंगे नए कोच

सुरक्षा मानकों पर खरी उतरी हमारी मेट्रो, अब स्टेशन व ट्रैक का काम पूरा करने पर जोर

इंदौर @ पत्रिका. प्रदेश की पहली मेट्रो का ट्रायल पूरा हो गया हैं। विशेषज्ञों ने कोच को सुरक्षा मानकों पर खरा माना हैं। ट्रायल रन के बाद अब मेट्रो कारपोरेशन का पूरा जोर स्टेशन और ट्रैक का काम पूरा करने पर हैं।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान की उपस्थिति में शुक्रवार को मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन हुआ था। इसके पहले अधिकारी कंपनी के विशेषज्ञों की उपस्थिति में कई बार सेफ्टी रन कर चुके थे। मेट्रो कारपोरेशन के निदेशक शोभित टंडन के मुताबिक, ट्रायल रन के आधार पर मेट्रो कोच सुरक्षा मानकों पर खरे पाए गए हैं। अभी इन्हें डिपो में रखा जाएगा और वहां समय-समय पर ट्रायल होती रहेगी। मेट्रो का पूरा ध्यान अब गांधी नगर से रेडिशन चौराहे तक के ट्रैक और स्टेशन को तैयार करने पर हैं। अगले छह महीने में पूरा ट्रैक तैयार करने के बाद यहां कमर्शियल रन शुरू करने का टारगेट हैं, जिसके लिए अब तेजी से काम होगा। वैसे यहां ट्रायल के बाद विशेषज्ञ अफसरों की टीम भोपाल गई हैं, वहां 3 अक्टूबर को ट्रायल होना हैं। अफसरों के मुताबिक, जल्द ही वडोदरा की कंपनी से मेट्रो के और कोच मिलेंगे। कोच आने के बाद इनका भी ट्रैक पर ट्रायल होगा और सुरक्षा मानक चेक किए जाएंगे।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
03	Navbharat	Indore	02.10.2023	06	मेट्रो युग की शुरुआत	Neutral

नव भारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी
प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

मेट्रो युग की शुरुआत

इंदौर में मेट्रो का ट्रायल रन हो गया है और भोपाल में होने जा रहा है . कहा जा सकता है कि प्रदेश में ये मेट्रो युग की शुरुआत है. वैसे यात्रियों के लिए मेट्रो परिवहन दिसंबर 2024 से उपलब्ध होगा लेकिन ट्रायल रन से यह विश्वास हो गया है कि भविष्य में मेट्रो ही लोक परिवहन का प्रमुख साधन होगी. इंदौर जैसे सघन आबादी वाले क्षेत्र के लिए लोक परिवहन का विस्तार होना बहुत जरूरी है. अभी इंदौर में सिटी बसें और आई बसेस चलती हैं लेकिन वो अपर्याप्त हैं. लोक परिवहन के प्रसार की दृष्टि से कोविड संक्रमण के कारण खूब नुकसान हुआ. सोशल डिस्टेंसिंग की अनिवार्यता के कारण करीब ढाई वर्ष तक लोक परिवहन लगभग प्रतिबंधित रहा. उसके बाद भी एक बड़े वर्ग ने लोक परिवहन को नहीं अपनाया. इस दौरान कार,मोटरसाइकिल तथा स्कूटर के उपयोग में बेतहाशा वृद्धि हुई. निजी वाहनों में वृद्धि का सबसे बड़ा प्रभाव यातायात और प्रदूषण पर पड़ा है. दिल्ली को जिस तरह से गैस चैंबर कहा जाता है, करीब करीब वही स्थिति मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, कोलकाता, जयपुर, अहमदाबाद, तिरुवनंतपुरम जैसे देश के 50 शहरों की है. यातायात के दबाव और पर्यावरण की शुद्धि के लिए भी लोक परिवहन में वृद्धि करना जरूरी है. पर्यावरण के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए इंदौर में महापौर के आह्वान पर 22 सितंबर को नो कार डे मनाया गया. जन जागरण के लिए इस तरह के प्रतीकात्मक प्रयास भी प्रभावी सिद्ध होते हैं लेकिन पर्यावरण शुद्धि के लिए सबसे असरकारी लोक परिवहन का अपनाया जाना ही है. चीन सहित यूरोप के अनेक ऐसे देश हैं जहां साइकिलों का प्रयोग निजी परिवहन के रूप में होता है. हमारे यहां साइकिल से जाना शान के खिलाफ माना जाता है. इस मानसिकता से भी उबरना जरूरी है. इस संबंध में पारिवारिक इकाई भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती है. देखा गया है कि 12वीं कक्षा के बाद पालक अपने पुत्र -पुत्री को कॉलेज जाने के लिए मोटरसाइकिल या स्कूटर दिलवा देते हैं. इसकी बजाय यदि कॉलेज के छात्रों को साइकिल के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाए तो पर्यावरण और यातायात की दृष्टि से यह बेहद प्रभावी साबित हो सकता है. इस संबंध में पालकों को भी अपना कर्तव्य निभाना चाहिए. बहरहाल, जैसा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है 2028 तक इंदौर से पीथमपुर और उज्जैन तक मेट्रो सेवा का विस्तार हो जाएगा.

दरअसल, मेट्रो सेवा का विस्तार होना जरूरी भी है. इंदौर में फिलहाल मेट्रो कार्य योजना 17 किलोमीटर की रेंज में बनाई गई है. मेट्रो के शीर्ष पुरुष ई श्रीधरन ने अनेक बार कहा है कि जब तक किसी शहर में 30 किलोमीटर तक मेट्रो नहीं चलाई जाती तब तक उसका पूरा लाभ यातायात और पर्यावरण के संदर्भ में नहीं मिल सकता. जाहिर है इंदौर में मेट्रो परियोजना को और विस्तारित करना पड़ेगा. केंद्र और प्रदेश सरकार ने जो योजना बनाई है उसके अनुसार भविष्य में ग्वालियर और जबलपुर में भी मेट्रो सेवाओं का विस्तार होगा. दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, बेंगलुरु, नागपुर और अहमदाबाद जैसे शहरों में मेट्रो के परिचालन से बहुत फायदा हुआ है. खास तौर पर नौकरी पेशा और कॉलेज तथा कोचिंग इत्यादि जाने वाले लोगों के लिए मेट्रो एक वरदान की तरह है. इसलिए इंदौर में हुए मेट्रो के ट्रायल रन का व्यापक तौर पर स्वागत किया गया. मेट्रो परिचालन को लेकर आमतौर पर उत्साह का वातावरण है. जिस तेजी से इस पर काम चल रहा है उससे यह स्पष्ट है कि मेट्रो का परिचालन निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रारंभ हो जाएगा. मेट्रो के साथ ही लोक परिवहन के अन्य साधनों का भी विस्तार और विकास होना जरूरी है. इंदौर में सिटी बसों की संख्या और मार्ग बढ़ाए जाने की जरूरत है. इसी के साथ यह भी जरूरी है कि इलेक्ट्रिक से चलने वाली सिटी बसें ज्यादा से ज्यादा चलाई जाएं ,जिससे प्रदूषण की समस्या से निजात पाया जा सके. सिटी बसें इस तरह चलाई जानी चाहिए जिससे उनकी कनेक्टिविटी मेट्रो रेल स्टेशन से हो सके, ताकि उसका अधिकतम उपयोग लोक परिवहन के रूप में जनता कर सकेगी. मेट्रो युग की शुरुआत के साथ ही इंदौर को जल्दी ही महानगर का दर्जा भी मिलने वाला है. यातायात और पर्यावरण की शुद्धि के संदर्भ में मेट्रो युग की शुरुआत होना निश्चित रूप से बहुत लाभकारी कदम है. स्वाभाविक रूप से इसका इसी वजह से व्यापक स्वागत भी किया जा रहा है.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
04	Naiduniya	Indore	02.10.2023	07	मेट्रो से मिलेगी अर्थव्यवस्था को रफ्तार.. जरूरत है ईमानदार प्रयास की	Neutral

मध्य प्रदेश डायरी

मेट्रो से मिलेगी अर्थव्यवस्था को रफ्तार... जरूरत है ईमानदार प्रयास की

तेज गति से बढ़ती वाहनों की संख्या के कारण सड़के पड़ने लगी है छोटी, सार्वजनिक परिवहन के नए साधनों से महानगर बनते शहरों में प्रदूषण भी होगा कम

डा. जितेंद्र व्यास
इनपुट एडिटर, इंदौर

देश के तेजी से विकसित हो रहे प्रदेशों में मध्य प्रदेश इस समय सबसे आगे दौड़ रहा है। यहां होने वाले नवाचारों से अर्थव्यवस्था तो बेहतर हो ही रही है, आमजन के लिए सर्वसुविधाएं भी सुलभ होने लगी हैं। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश ने विकास की राह में एक और कीर्तिमान स्थापित कर लिया है। इंदौर में प्रदेश की पहली मेट्रो ट्रेन के ट्रायल रन के साथ ही लोक परिवहन के क्षेत्र में नए अध्याय की शुरुआत हो गई। इंदौर के बाद अब भोपाल में भी जल्द ही मेट्रो का ट्रायल रन होगा और इसके बाद जबलपुर और ग्वालियर को भी मेट्रो जैसे तेज परिवहन माध्यम की सौगात मिलेगी। इंदौर सहित प्रदेश के अन्य बड़े शहरों में भी आइटी और औद्योगिक क्षेत्रों का तेजी से विस्तार हुआ है। इसके परिणामस्वरूप शहरी क्षेत्र की आबादी में भी तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। इससे सार्वजनिक क्षेत्र के बुनियादी ढांचे पर जबरदस्त दबाव बढ़ा है। प्रमुख शहरों में बढ़ रही आबादी के साथ ही सड़कों पर वाहनों की संख्या भी बढ़ती जा रही है। इससे सिर्फ यातायात का दम ही नहीं फूल रहा बल्कि पर्यावरण के लिहाज से भी हम दिल्ली-बेंगलुरू जैसे शहरों की तरह ही अपने शहरों में खराब आबोहवा से जूझ रहे हैं। प्रदेश की राजधानी भोपाल में 15 लाख से ज्यादा रजिस्टर्ड वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं तो इंदौर में 21.5 लाख दो पहिया और चार पहिया वाहन सड़कों पर होते हैं। इनकी संख्या हर माह तेजी से बढ़ भी रही है। 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के आंकड़ों पर की गौर किया जाए तो अकेले इंदौर शहर में ही एक वर्ष में परिवहन विभाग के पास रजिस्टर्ड होने वाले वाहनों की संख्या 1 लाख 61 हजार है। उधर भोपाल में भी इसी अवधि में 98 हजार 572 वाहन पंजीकृत हुए हैं। ग्वालियर में 70 हजार 928 और जबलपुर में 62281 नए वाहन सड़कों पर आ गए। वाहनों की इस गति से बढ़ती संख्या को देखते हुए यह अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है कि भले ही प्रदेश का कोई शहर महानगर श्रेणी में फिलहाल नहीं हो लेकिन ट्रैफिक जाम, प्रदूषित हवा और सड़कों पर वाहनों की रेलमपेल में जल्द ही यहां के शहर महानगरों को टक्कर देने लगेंगे। शहरों की बात करें तो यहां 20 प्रतिशत यात्री भी फिलहाल लोक परिवहन के साधनों का इस्तेमाल नहीं करते हैं। 53 प्रतिशत लोगों के पास अपने दो व चार पहिया वाहन हैं, जिनका इस्तेमाल वे आधा-एक किमी के सफर के लिए भी करते हैं। यही कारण है कि सड़कों के हाल दिनों-दिन खराब होते जा रहे हैं। वाहनों की बढ़ती संख्या पर्यावरण के लिहाज से भी कितनी चुनौतीपूर्ण है इसी से समझा जा सकता है कि एक पेट्रोल या डीजल कार एक वर्ष में 4.6 मीट्रिक टन कार्बन डाई आक्साइड उत्सर्जित करती है। अकेले इंदौर में रजिस्टर्ड कारों की संख्या ही चार लाख से अधिक है। इन्हीं से 18.2 लाख मीट्रिक टन कार्बन डाई आक्साइड उत्सर्जित होती है। इसमें तिपहिया और लोडिंग वाहन भी शामिल कर लिए जाए तो प्रदूषण की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। वाहनों की बढ़ती संख्या के लिहाज से सड़कें तो काफी पहले ही छोटी पड़ने लगी हैं, लेकिन अब प्रदेश के शहरी क्षेत्र में चलने वाले वाहनों की रफ्तार 15-17 किमी प्रतिघंटा से अधिक नहीं रह गई है। जबकि दिल्ली-मुंबई, चैन्नई जैसे शहरों में शहरी क्षेत्र में चलने वाले वाहनों की रफ्तार 25 किमी प्रतिघंटा है।

इंदौर मेट्रायल रन के दौरान ट्रैक पर खड़ी मेट्रो ट्रेन। ● नईदुनिया

शहरों के निरंतर आर्थिक विकास के लिए आवश्यक हो गया है कि बेहतर सड़क नेटवर्क के साथ हम मेट्रो जैसे त्वरित परिवहन माध्यमों का जाल तेजी से बिछाएं। बीते दस वर्षों में इंदौर, भोपाल और ग्वालियर जैसे शहरों में विकसित हुए नए औद्योगिक क्लस्टर, स्टार्टअप और आइटी पार्क ने इन शहरों की आर्थिकी के साथ ही भौगोलिक संरचना को भी बदल दिया है। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार से तैयार हो रहे इस नए इको सिस्टम के कारण शहरों की सीमाओं ने अपना दायरा भी बढ़ा लिया है। यह भी आवश्यक हो गया है कि इन औद्योगिक क्षेत्रों के आसपास बन रहे नए आबादी क्षेत्रों में रहने वालों को परिवहन के अच्छे साधन उपलब्ध करवाए जाएं। दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में उपलब्ध सड़कें और फ्लाइओवर के साथ ही बस, रिक्शा या अन्य लोक परिवहन के साधन इतने पर्याप्त नहीं हैं कि वे यात्रियों को सुविधा दे सकें। इंदौर सहित प्रदेश के बड़े शहरों में अब मेट्रो ही भविष्य की जरूरत है। उज्जैन में महाकाल-महालोक बनने के बाद इंदौर से सड़क मार्ग से उज्जैन पहुंचने वाले यात्रियों की संख्या ही हर दिन एक लाख से अधिक है। इसी तरह इंदौर से पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में भी हर दिन डेढ़ लाख से ज्यादा लोग अप-डाउन करते हैं। नए आइटी पार्क में आने वाली अंतरराष्ट्रीय कंपनियां भी शहरों में परिवहन और आवागमन के साधनों का अध्ययन कर निवेश के लिए कदम बढ़ाती हैं। यही हाल भोपाल में मंडीदीप, बैरागढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों में भी है।

लेकिन इन शहरों में व्यवस्था को जिस चुनौती से जूझना है, वह है मेट्रो के रूट तक पब्लिक ट्रांसपोर्ट को जोड़ना। बी-टाउन शहरों में लोक परिवहन के साधनों का इस्तेमाल इसलिए भी अधिक नहीं होता क्योंकि फीडर रोड़ से मुख्य मार्गों तक कनेक्टिविटी बेहतर नहीं मिल पाती। यही वजह है कि इन शहरों में लोग अपने वाहनों से सफर करना अधिक पसंद करते हैं। नए दौर की इस परिवहन सेवा को इन शहरों के रहवासी आत्मसात तभी कर पाएंगे जब उन्हें घर के नजदीक से मेट्रो स्टेशन तक की सीधी कनेक्टिविटी मिल जाए। देश के सबसे स्वच्छ और सबसे स्मार्ट शहर इंदौर से इस नए कदम की शुरुआत के मायने भी यही है कि यह शहर नवाचार को न सिर्फ तुरंत स्वीकार करता है बल्कि उसे सफल कर दूसरों को बता भी देता है कि यह राह मुश्किल नहीं है। अहमदाबाद जैसे शहर इसका बेहतर उदाहरण भी हैं। मेट्रो ट्रेन के सफलतम संचालन से वहां की सड़कों से 70 लाख वाहन सालाना कम हुए हैं। इससे शहर का पर्यावरण तो बेहतर हुआ ही है बल्कि वर्षा का मौसम हो या क्रिकेट मैच का उल्लास, यात्रियों को आवाजाही में सुगमता मिली है। मप्र में भी हमें इस नेटवर्क को तेजी से विस्तारित करने के ईमानदार प्रयास करने की जरूरत है ताकि भविष्य के मध्य प्रदेश मेट्रो पर सवार होकर विकास की पटरियों पर आगे बढ़ता चले।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
05	Navbharat	Indore	02.10.2023	07	भोपाल में कल होगा मेट्रो ट्रायल रन	Neutral

इंदौर | सोमवार | 2 अक्टूबर, 2023 | वर्ष 63 | अंक 246 | पृष्ठ 12 | मूल्य रु. 5.00 navabharat.com twitter.com/Nava_Bharat fb.me/NavaBharat.Social

नव भारत

भोपाल में कल होगा मेट्रो ट्रायल रन

भोपाल. भोपाल में 3 अक्टूबर को मेट्रो ट्रायल रन होगा. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान हरी झंडी दिखाएंगे. नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह और जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे. इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह विशिष्ट अतिथि होंगे. इस कार्यक्रम की तैयारी लगभग अंतिम दौर में है. मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के एमडी मनीष सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में शहर के सभी सामाजिक, व्यापारिक, औद्योगिक संगठनों, संस्थाओं व एसोसिएशन के पदाधिकारी अपार उत्साह और उमंग के साथ शामिल होंगे. सभी मेजबान बनकर कार्यक्रम में आने वाले अपने सदस्यों और अन्य नागरिकों का स्वागत भी करेंगे.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
06	Pradesh Today	Indore	02.10.2023	03	इंदौर मेट्रो का ट्रायल, यात्रा के बाद मुख्यमंत्री बोले-खिलखिला रहा है इंदौर	Neutral

इंदौर मेट्रो का ट्रायल, यात्रा के बाद मुख्यमंत्री बोले- खिलखिला रहा है इंदौर

इंदौर। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान की उपस्थिति में प्रदेश की पहली मेट्रो ट्रेन का ट्रायल रन शुक्रवार शाम को हुआ। मुख्यमंत्री ने अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ मेट्रो की यात्रा की। मुख्यमंत्री बोले, मेट्रो से इंदौर के अद्भुत दर्शन हुए, मेट्रो के नक्शे में आया इंदौर खिलखिला रहा है। शुक्रवार शाम को गांधीनगर डिपो में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने मेट्रो के विस्तार की घोषणा की। उन्होंने कहा, मेट्रो इंदौर से पीथमपुर और इंदौर से सांवेर होते हुए उज्जैन तक जाएगी। वर्ष 2028 के सिंहस्थ में इंदौर के लोग बाबा महाकाल के दर्शन करने मेट्रो ट्रेन से जायें। साथ ही उन्होंने गांधीनगर में रजिस्ट्री पर रोक के मामले में कहा कि रोक हटाने के लिए जल्द कार्रवाई की जाएगी। इंदौर में जीएसटी ट्रिब्यूनल बैंच के गठन की मांग भी की गई थी लेकिन मुख्यमंत्री ने इस पर बाद में चर्चा करने का कह दिया।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
07	Patrika	Indore	03.10.2023	03	भोपाल मेट्रो का फाइनल ट्रायल रन आज	Neutral

पत्रिका

03

इंदौर, मंगलवार, 03 अक्टूबर, 2023

भोपाल मेट्रो का फाइनल ट्रायल रन आज

भोपाल. राजधानी में मंगलवार को मेट्रो ट्रेन का फाइनल ट्रायल रन होगा। सुभाष नगर रेलवे स्टेशन से सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री शिवराजसिंह और नगरीय प्रशासन मंत्री भूपेंद्रसिंह हरी झंडी दिखाएंगे। ट्रेन सुभाष नगर से रानी कमलापति मेट्रो स्टेशन तक साढ़े चार किमी चलेगी। 25 सितंबर को सुभाष डिपो में मेट्रो का सेफ्टी ट्रायल हुआ। इसके बाद 26 सितंबर को सुभाष डिपो से रानी कमलापति मेट्रो स्टेशन तक सेफ्टी ट्रायल रन किया था।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
08	Dainik Bhaskar	Indore	03.10.2023	10	इंदौर मेट्रो का उज्जैन और पीथमपुर तक, भोपाल मेट्रो का सीहोर और मंदीदीप तक होगा विस्तार	Positive

दैनिक भास्कर इंदौर 03-10-2023 Pg-10

पिछले बीस वर्षों में नगरीय विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों पर मध्यप्रदेश, भोपाल में आज होगा मेट्रो का ट्रायल

इंदौर मेट्रो का उज्जैन और पीथमपुर तक, भोपाल मेट्रो का सीहोर और मंडीदीप तक होगा विस्तार

- **स्मार्ट सिटीज में मध्यप्रदेश को बेस्ट अवार्ड, इंदौर को नेशनल स्मार्ट सिटी अवार्ड तथा पांच शहरों को मिले 13 अवार्ड**
- **2 हजार 792 अनाधिकृत कॉलोनियों के वैध होने से 35 लाख लोगों को लाभ, जबलपुर में भी मेट्रो चलाने की तैयारी**

शिवराज सरकार का महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 'मेट्रो इन मध्यप्रदेश' जल्द ही अपने अंतिम स्वरूप में नजर आने वाला है। मध्यप्रदेश के इंदौर और भोपाल जल्द ही उन शहरों में शुमार हो जाएंगे जहां मेट्रो ट्रेन जैसी अत्याधुनिक पब्लिक ट्रांसपोर्ट सेवाएं उपलब्ध हैं। इंदौर में मेट्रो का सफल ट्रायल हो चुका है और भोपाल में मंगलवार 3 अक्टूबर को हो रहा है। भोपाल और इंदौर दोनों ही शहरों में स्टेशनों के मुख्य स्ट्रक्चर लगभग तैयार हैं। भोपाल स्थित 6.225 किमी ऐलिवेटिड पुल (वायडक्ट) के डिजाइन तथा निर्माण का लगभग 93% सिविल कार्य पूरा किया जा चुका है। वहीं इंदौर स्थित ऐलिवेटिड पुल (वायडक्ट) के डिजाइन तथा निर्माण जिसकी लम्बाई 17.2 किमी है, के 6.3 किमी के प्राइऑरटी कोरिडोर का अब तक लगभग 73% सिविल कार्य पूर्ण हो चुका है। भोपाल में अभी प्रायरिटी रूट सुभाष नगर से एम्स तक है। फिलहाल ट्रायल रन के लिए सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक का ट्रैक तैयार किया गया है। कमर्शियल रन के लिए एम्स तक काम वर्ष 2024 तक पूरा हो जाएगा। यानी अगले वर्ष से यात्री मेट्रो में सफर कर सकेंगे। यही स्थिति इंदौर की भी है। शुरूआत में मेट्रो ट्रेन ड्राइवर चलाएंगे। दो-तीन साल बाद ट्रेन बिना ड्राइवर के ऑटोमैटिक चलाने की कोशिश है।

अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली वाली है हमारी मेट्रो

मेट्रो के कोच वातानुकूलित रहेंगे। दिव्यांग व्यक्तियों के लिये भी उचित स्थान रहेगा। मेट्रो ट्रेन के प्रत्येक कोच में 50 लोगों के बैठने और 300 लोगों के खड़े होने का स्थान रहेगा। नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड पर स्वचालित टिकटिंग की व्यवस्था होगी। दरवाजे भी स्वचालित रहेंगे। यात्री सूचना प्रदर्शन प्रणाली रहेगी। ग्रेब हेण्डल की लिफ्ट, एस्केलेटर, कस्टमर केयर सेंटर, हिंदी इंग्लिश में अनाउंसमेंट, दिव्यांगों के लिए व्हीलचेयर, अन्य सार्वजनिक सुविधाएं आदि रहेगी। ट्रेन में आपातकालीन संपर्क एवं आपातकालीन द्वार की व्यवस्था भी होगी। बिजली की खपत को कम करने के लिए स्टेशन और डिपो पर सौर ऊर्जा की व्यवस्था की जा रही है। इस ट्रेन का संचालन मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। मध्यप्रदेश की मेट्रो कई आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों से लैस होने वाली है, जिसमें अनअटेंडेड आब्जेक्ट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम और डिरेलमेंट डिटेक्शन सिस्टम के जरिए यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। ट्रेन के संचालन के लिए इनबिल्ट साइबर सिक्योरिटी सिस्टम का भी इस्तेमाल किया जाएगा। सभी सुरक्षा प्रणालियों के कारण जहां ट्रेन में सफर आरामदायक होगा। वहीं यात्रियों को पूरी सुरक्षा भी मिलेगी। मेट्रो के हर कोच और स्टेशन के साथ अन्य स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इनमें कैप्चर होने वाले वीडियो से संदिग्ध व्यक्ति का चेहरा मिलान कर वीडियो एनालिटिक्स सिस्टम के जरिए उसकी पहचान की जाएगी। इसके लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम की मदद ली जाएगी। इसकी मदद से डाटा तैयार किया जाएगा, जिसमें अपराधियों और गुमशुदा बच्चों के फोटो अपलोड किए जाएंगे। अपराधी जैसे ही कैमरे के संपर्क में आएगा, अलार्म बजना शुरु हो जाएगा। इस सिस्टम को मेट्रो के सेंट्रल सर्वर से जोड़ा जाएगा। लंबे समय तक वीडियो फुटेज संरक्षित रखे जा सकेंगे। खास बात यह होगी कि इस सिस्टम के तहत चश्मा पहने हुए व्यक्ति की पहचान करना भी आसान होगा।

गुजरात के सांवली में तैयार हो रहे मेट्रो ट्रेन के बाकी कोच

गुजरात के सांवली में एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड भोपाल के लिए 81 और इंदौर के लिए 75 बोगियां बना रही है। एक ट्रेन में तीन बोगी के हिसाब से भोपाल के लिए 27 और इंदौर के लिए 25 मेट्रो ट्रेन तैयार हो रही हैं। शिवराज सरकार द्वारा एल्सटॉम ट्रांसपोर्ट इंडिया लिमिटेड को कुल 156 कोच के साथ सिग्नलिंग, ट्रेन कंट्रोल और टेलीकम्युनिकेशन सिस्टम के निर्माण के साथ कमीशनिंग और मेंटेनेंस का वर्क ऑर्डर दिया गया है। इस बात को पूरी तरह से सुनिश्चित कर लिया गया है कि मेट्रो ट्रेन क्वालिटी के लिहाज से उच्च कोटि की हो। सभी मेट्रो के हर कोच को सर्वसुविधायुक्त तरीके से डिजाइन किया गया है।

सिंहस्थ में मेट्रो से जाएंगे भक्त, 7 लाख यात्री प्रतिदिन यात्रा कर सकेंगे

मध्यप्रदेश सरकार का पूरा प्रयास है कि इंदौर से पीथमपुर और उज्जैन तक मेट्रो ट्रेन का संचालन किया जाए। संकल्प है कि 2028 के सिंहस्थ में श्रद्धालु और आम नागरिक इंदौर से मेट्रो में बैठकर महाकाल बाबा के दर्शन करने जायेंगे। इंदौर और आसपास का क्षेत्र मेट्रोपोलिटन अथारिटी बनेगा। इंदौर में 7500 करोड़ रुपए की लागत से विश्व स्तरीय इंदौर मेट्रो ट्रेन परियोजना का निर्माण पूर्ण होने से नागरिकों को तेज, सुरक्षित, आधुनिक और आरामदेह सफर की सुविधा उपलब्ध होगी। इस सेवा से 7 लाख यात्री प्रतिदिन यात्रा कर सकेंगे। हर मेट्रो ट्रेन में तीन कोच होंगे। इंदौर में कुल 25 मेट्रो ट्रेन संचालित की जाएगी। इन मेट्रो ट्रेनों की रफ्तार 90 किलोमीटर प्रति घंटे की रहेगी।

प्रायोरिटी कॉरिडोर : भोपाल और इंदौर में पांच-पांच स्टेशन, दोनों शहरों के डिपो 30 हेक्टेयर में फैले

भोपाल में आज होने वाले मेट्रो ट्रायल के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मेट्रो के संचालन के लिए राजधानी भोपाल में एम्स से सुभाष नगर अंडरब्रिज तक आठ स्टेशन बने हैं। ये स्टेशन एम्स, अलकापुरी, DRM ऑफिस, रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, एमपी नगर, बोर्ड ऑफिस, केंद्रीय विद्यालय और सुभाष नगर में बन रहे हैं। सभी स्टेशनों का सिविल काम जमीन से ऊपर दिख रहा है। स्टेशन 100 मीटर लंबे और कम से कम 14 मीटर चौड़े होंगे। इन स्टेशन पर यात्रियों के लिए इंटरनेट सहित अन्य सुविधाएं देने की तैयारी शिवराज सरकार द्वारा की गई है। भोपाल मेट्रो प्रोजेक्ट का तीसरा बड़ा काम डिपो का है, जो सुभाषनगर अंडरब्रिज के पास स्टड फॉर्म की 26.41 हेक्टेयर (65.26 एकड़) जमीन पर बन चुका है। इंदौर मेट्रो ट्रेन प्रायोरिटी कॉरिडोर में गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर 3 तक का काम तेजी से चल रहा है। गांधी नगर, सुपर कॉरिडोर 6, 5, 4, 3 स्टेशन का काम तेजी से जारी है। यहां गांधी नगर में लगभग 30 हेक्टेयर इंदौर में रिंग लाइन के तहत मेट्रो संचालन होगा। प्रायोरिटी कॉरिडोर के तहत इंदौर में गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर-03 तक लगभग 6.3 किलोमीटर पर ट्रायल रन के मद्देनजर निर्माण कार्य पूरा किया गया था, वहीं भोपाल में 5.0 किलोमीटर पर काम हो चुका है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पिछले दिनों यह भी घोषणा की है कि जल्द ही जबलपुर में भी मेट्रो ट्रेन चलाने की तैयारकी की जाएगी। संस्कारधानी प्रदेश का ऐसा तीसरा शहर बनेगा, जहां मेट्रो दौड़ेगी। मध्यप्रदेश भारत का पहला ऐसा प्रदेश है, जहां एक साथ दो शहरों में मेट्रो दौड़ने वाली है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
09	Dainik Bhaskar	Indore	03.10.2023	01	एमजी रोड पर अंडरग्राउंड मेट्रो के लिए जियो-टैगिंग सर्वे शुरू	Neutral

दैनिक भास्कर इंदौर 03-10-2023 Pg-01

अगले चरण का पहला कदम

एमजी रोड पर अंडरग्राउंड मेट्रो के लिए जियो-टैगिंग सर्वे शुरू

मिट्टी परीक्षण के लिए आसपास बैरिकेडिंग कर बोरिंग मशीन लगाई गई है।

इंदौर|पलासिया से आगे मेट्रो रूट के लिए जियो-टैग सर्वे शुरू कर दिया है। पलासिया से कालानी नगर तक मेट्रो अंडर ग्राउंड रहेगी। इसके लिए मिट्टी का परीक्षण करना अनिवार्य है। जिस एजेंसी को इसका काम सौंपा गया है, वह एक हफ्ते में रिपोर्ट भी दे देगी। हाईकोर्ट के पास जहां मेट्रो का स्टेशन प्रस्तावित है, वहीं यह परीक्षण चल रहा है।

30 मीटर खुदाई कर देखेंगे, कैसी मिट्टी है

रीगल तिराहे व उसके आसपास दो-तीन स्थानों पर जांच की जा रही है। 25 से 30 मीटर तक खुदाई कर देखेंगे कि गहराई में कौन सी मिट्टी है और कितनी चट्टान है। जियो टैग सर्वे की रिपोर्ट के बाद आगे का प्लान तैयार किया जाएगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
10	Dainik Bhaskar	Indore	03.10.2023	10	इंफास्ट्रक्चर डेलपमें अव्वल	Positive

दैनिक भास्कर इंदौर 03-10-2023

Pg-10

इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट में मध्यप्रदेश देशभर में अव्वल

मध्यप्रदेश नगरीय विकास के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां प्राप्त कर रहा है। इंडिया स्मार्ट सिटीज अवार्ड्स कॉन्टेस्ट-2022 में उत्कृष्ट कार्यों के आधार पर प्रदेश की पांच स्मार्ट सिटी को विभिन्न श्रेणी में 13 अवार्ड मिले हैं। प्रदेश को बेस्ट स्टेट का अवार्ड मिला है और इन्दौर नेशनल स्मार्ट सिटी अवार्ड में प्रथम स्थान पर है। प्रदेश में 2 हजार 792 अनाधिकृत कॉलोनियों को वैध किया जा रहा है, इससे 35 लाख लोगों को लाभ मिलेगा। इन उपलब्धियों के लिए प्रदेशवासियों को बधाई। नगरीय विकास की दिशा में आगे बढ़ते हुए भोपाल और इंदौर में हम मेट्रो ट्रेन के संचालन की ओर अग्रसर हो रहे हैं। हमारी पिछली सरकार ने भोपाल और इंदौर को मेट्रो सिटी बनाने का निर्णय लेकर इस दिशा में काम भी शुरू कर दिया था, लेकिन दूसरी सरकार आने के कारण पंद्रह महीने काम बंद रहा। कोरोना की कठिन परिस्थितियों के बाद भी हमारी सरकार ने भोपाल और इन्दौर में मेट्रो रेल के लिए तेजी से कार्य किया। इंदौर में सफल ट्रायल हो चुका है और भोपाल में आज होने जा रहा है।

•••

शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
11	People samachar	Indore	04.10.2023	03	ट्रायल रन में 12 किमी/घंटा की स्पीड से दौड़ी मेट्रो, 20 मिनट में सिर्फ 4 किमी	Neutral

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार

न्यूज़ पोर्टल | राष्ट्रीय | अंतर्राष्ट्रीय | प्रादेशिक | खेल | व्यापार

इंदौर सिटी Page: 3 October 04, 2023

ट्रायल रन में 12 किमी/घंटा की स्पीड से दौड़ी मेट्रो, 20 मिनट में सिर्फ 4 किमी

सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक ट्रायल रन

पीपुल्स संवाददाता ● भोपाल
मो.नं. 9300697983

भोपाल मेट्रो का बहुप्रतिक्षित फाइनल ट्रायल रन मंगलवार को हो गया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मेट्रो को हरी झंडी दिखाकर सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के लिए रवाना किया। ट्रायल रन में मेट्रो 10-15 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ी। हालांकि, मेट्रो की अधिकतम गति 70 किमी प्रति घंटा होती है। मेट्रो ने 4 किमी का सफर 20 मिनट में पूरा किया। मेट्रो सुभाष नगर से 12:45 बजे चली और 4 किमी का सफर तय कर रानी कमलापति स्टेशन पर दोपहर 1:06 बजे पहुंची। आम लोगों के लिए यह मई-जून-2024 में शुरू होगी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
12	Dainik Bhaskar	Indore	04.10.2023	08	अभी भोपाल मेट्रो के दो रूट मंजूर, सीएम बोले- जरूरत पड़ी तो रायसेन, विदिशा तक भी जाएगी	Positive

दैनिक भास्कर इंदौर 04-10-2023 Pg-08

चुनावी मेट्रो को हरी झंडी... लेकिन संचालन अगली सरकार में

संचालन में 6 महीने लगेंगे

- भोपाल मेट्रो के ट्रायल को सीएम शिवराज सिंह चौहान ने सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन पर हरी झंडी दिखाई।
- उन्होंने मेट्रो में रानी कमलापति स्टेशन तक 5.5 किमी का सफर भी तय किया।
- लगभग 20.10 मिनट में सफर पूरा हुआ।
- सीएम ने कहा कि आम लोगों के लिए मेट्रो खुलने में अभी 6 महीने और लगेंगे। यानी सफर अगली सरकार में ही होगा।

अभी भोपाल मेट्रो के दो रूट मंजूर, सीएम बोले- जरूरत पड़ी तो रायसेन, विदिशा तक भी जाएगी

भोपाल | सीएम शिवराज ने कहा कि भोपाल मेट्रो मंडीदीप और सीहोर तक जाएगी। जरूरत पड़ी तो इसे रायसेन और विदिशा तक ले जाएंगे। भोपाल से रायसेन करीब 47 किमी दूर है और डेढ़ घंटे में पहुंचा जा सकता है। भोपाल से विदिशा करीब 57 किमी दूर है और 1.50 घंटे में पहुंचा जा सकता है। इसके पहले सुभाष नगर डिपो परिसर में सीएम ने कहा कि भोपाल ने तांगे से मेट्रो तक का सफर तय किया है। उन्होंने पूर्व में यहां चलने वाले टैंपो को भी आम भोपाली की भाषा में भट सुअर कहा।

आलोक को बताया भावी विधायक, ध्रुव से कहा- आपको संभालना है

सीएम ने मंच पर मौजूद भोपाल उत्तर के भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा को भावी विधायक के रूप में संबोधित किया। वहीं, भोपाल मध्य के प्रत्याशी ध्रुव नारायण सिंह से कहा - 'यह तो आप ही का क्षेत्र है, आपको संभालना है।' मुख्यमंत्री के इस कथन के राजनीतिक मायने लगाए जा रहे हैं।

अभी तो लंबा सफर है...

जिन दो रूट को केंद्र ने मंजूरी दी है, वे भी 2027 तक पूरे हो पाएंगे

अभी भोपाल मेट्रो के लिए केंद्र सरकार ने जिस डीपीआर को मंजूर दी है, उसमें केवल 2 रूट हैं।

करोंद से एम्स 14.99 किमी : 16 स्टेशन

भदभदा से रत्नागिरि : 12.88 किमी, 12 स्टेशन

- दोनों रूट की लागत करीब 6944 करोड़ रुपए है। इसकी डेडलाइन 2027 तय की गई है।
- 4 रूट बैरागढ़ से अवधपुरी, भौंरी बायपास से वसंत कुंज, अशोका गार्डन से मदर टेरेसा स्कूल (कोलार रोड) और हबीबगंज नाका से मंडीदीप तक मंजूरी नहीं मिली है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
13	Raj express	Indore	04.10.2023	03	मंदीदीप, रायसेन, सीहोर, विदिशा तक होगा मेट्रो का विस्तार, तांगे वाला भोपाल अब मेट्रो वाला हो गया	Positive

(आश्विन कृष्ण पक्ष षष्ठी 2080)
वर्ष - 18
अंक - 123
पृष्ठ - 12
मूल्य - ₹4.00

सच कहने का साहस और सलीका

राज एक्सप्रेस

इंदौर
बुधवार, 04 अक्टूबर 2023

■ इंदौर ■ भोपाल ■ जबलपुर ■ ग्वालियर ■ रतलाम ■ रीवा ■ सतना ■ छिंदवाड़ा ■ उज्जैन ■ सागर

ऐतिहासिक दिन : सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन के बीच ट्रायल रन को मुख्यमंत्री ने किया फ्लैग ऑफ

मंडीदीप, रायसेन, सीहोर, विदिशा तक होगा मेट्रो का विस्तार, तांगे वाला भोपाल अब मेट्रो वाला हो गया

ट्रायल रन में 15 मिनट में तय की 5 किमी की दूरी

भोपाल (आरएनएन)। राजधानी के लिए मंगलवार का दिन ऐतिहासिक रहा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मेट्रो के ट्रायल रन को हरी झंडी दिखा कर शुभारंभ किया। फिर सुभाष नगर से रानी कमलापति स्टेशन तक करीब पांच किमी का सफर मेट्रो में बैठ कर किया। यह दूरी मेट्रो ने करीब 15 मिनट में तय की।

इसका अनुभव साझा करते हुए सीएम ने कहा, ऐसा लगा कि मेट्रो रूके ही नहीं, चलती रहे। कहा कि भोपाल अब विकास पथ पर तेज गति से दौड़ेगा। उन्होंने बताया कि भोपाल मेट्रो का विस्तार सीहोर, मंडीदीप के साथ रायसेन और विदिशा तक भी किया जाएगा। ट्रायल रन के शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बताया कि बचपन में जब भोपाल आते थे तो तांगे चलते थे। फिर भट सुअर और ऑटो चले। अब मेट्रो तक का सफर तय किया है। तांगे वाला भोपाल अब मेट्रो वाला भोपाल हो गया है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों से कहा कि मेट्रो में सफर का आपका नंबर भी जल्द आएगा।

जनसभा में फिर भावुक हुए सीएम शिवराज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान मंगलवार को अपने गृह जिले सीहोर में एक जन सभा के दौरान एक बार फिर भावुक हो गए। उन्होंने सभा में मौजूद लोगों से पहले तो पूछा कि उन्हें चुनाव लड़ना चाहिए या नहीं। इसके बाद फिर पूछा कि यदि उनको चुनाव लड़ना चाहिए तो क्या उन्हें यह चुनाव बुधनी से ही लड़ना चाहिए या नहीं? इस बीच बुधनी की सभा में मौजूद कार्यकर्ताओं ने मामा-मामा के नारे लगाकर कहा कि वे चुनाव लड़ें। इसके बाद सीएम शिवराज ने भी सभी लोगों को प्यारे भांजे बोलकर उनकी इस इच्छा को पूरा करने की बात कही। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शिवराज ने तीन दिन पहले भी लाड़ली बहना के एक कार्यक्रम के दौरान भावुक होकर कहा था कि मेरे बाद मुझे बहुत याद करोगे, बताओ क्या ऐसा भैया मिलेगा।

बुधनी की जनता से सीएम शिवराज ने पूछा, यहां से चुनाव लडूं कि नहीं?

मेट्रो की बात करते थे तो लोग मजाक उड़ाते थे

सीएम ने कहा कि पहले जब मेट्रो की बात करते थे तो लोग मजाक उड़ाते थे। हमने इसे साकार कर दिखाया। पहले की सरकार ने अभिशप्त किया। जिस राज्य को सड़कों के गड्ढों के लिए जाना जाता था, वहां एक हफ्ते में दो शहरों में मेट्रो का ट्रायल रन हुआ है। उन्होंने मेट्रो के फायदे गिनाते हुए कहा कि यह सस्ती, सुंदर है। प्रदूषण कम होगा और समय की बचत भी होगी। मेट्रो असमानता की खाई को भी पाटेगी।

असंभव को संभव कर दिखाया, अफसरों को सराहा

मेट्रो में सफर करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि मप्र बदल रहा है। आज लंबी छलांग लगाई है। यह परिवहन के क्षेत्र में क्रांति है। इसे हासिल करने के लिए आठ महीने युद्ध स्तर पर काम किया गया। असंभव को संभव कर दिखाया। इसके लिए उन्होंने नगरीय विकास प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई, मप्र मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एमडी मनीष सिंह की सराहना की। कार्यक्रम में चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग, विधायक रामेश्वर शर्मा, कृष्णा गौर, महापौर मालती राय, पूर्व महापौर आलोक शर्मा व अन्य मौजूद रहे।

कम समय में ऐसे किया ट्रायल रन का टारगेट हासिल

- गुजरात के वड़ोदरा स्थित सांवली प्लांट में 13 मार्च को कोच निर्माण शुरू, महज छह महीने में तीन डिब्बों की मेट्रो ट्रेन भोपाल पहुंच गई
- 18 सितंबर को डिपो में ट्रेन की अनलोडिंग, 18-25 सितंबर ट्रेन परीक्षण, तीन अक्टूबर को सफल ट्रायल रन
- 23 जनवरी को स्टेशन रूम का काम शुरू किया गया, छह जून को एसएस, टीएसएस कक्ष उपकरण लगा दिए

134 दिन में किया गया काम पूरा

- सहायक सब स्टेशन का कार्य पिछले साल 25 जुलाई को शुरू किया गया, दस सितंबर को इसे खत्म कर दिया गया
- नौ किमी ट्रेक बिछाने का काम पांच महीने में पूरा किया गया
- ट्रेक्शन थर्ड रेल और सात टर्नआउट्स का विद्युतीकरण महज 90 दिन में किया
- केवल दो महीने में पांच लिफ्ट और चार एस्केलेटर लगाए गए
- स्टेशन डेक के लिए पहला पिलर बनाने की शुरुआत 13 मार्च-22 को हुई, पांच सितंबर को ट्रेक के काम हो गए
- कास्टिंग यार्ड के लिए 15 दिसंबर, 2021 को काम शुरू, 15 जून-23 को खत्म

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
14	Navbharat	Indore	04.10.2023	03	भोपाल मेट्रो का सपना हुआ साकार	Positive

इंदौर | बुधवार | 4 अक्टूबर, 2023 | वर्ष 63 | अंक 248 | पृष्ठ 12 | मूल्य रु. 5.00 navabharat.com twitter.com/Nava_Bharat fb.me/NavaBharat.Social

नव भारत

भोपाल मेट्रो का सपना हुआ साकार

बोले मुख्यमंत्री शिवराज- अब मेट्रो वाला मध्य प्रदेश, बदल रहा और आगे बढ़ रहा प्रदेश

भोपाल, 3 अक्टूबर. भोपाल मेट्रो का मंगलवार को सफल ट्रायल रन हुआ है. एक संकल्प पूरा होते हुए देखकर मैं अत्यंत प्रसन्न हूं और सभी भोपालवासियों को कोटि-कोटि बधाई देता हूं. यह परिवहन के क्षेत्र में क्रांति है. यह बात मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मेट्रो के ट्रायल रन के अवसर पर कही.

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल मेट्रो रेल के ट्रायल रन का सुभाष नगर डिपो से हरी झण्डी दिखाकर कर शुभारंभ किया. मुख्यमंत्री चौहान ने मेट्रो रेल में सुभाष नगर स्टेशन से रानी कमलापति स्टेशन तक सफर कर जायजा लिया.

इस मौके पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि मेट्रो भोपाल में परिवहन की क्रांति लाएगी. उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ी तो इसे सीहौर और विदिशा तक लेकर जाएंगे. मई जून तक आम लोग मेट्रो की सवारी कर पाएंगे. यह बेहद सुखद अनुभूति है कि अब भोपाल का नाम मेट्रो सिटी में दर्ज हो गया. कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि गड्ढों वाला मध्य प्रदेश से मेट्रो वाला मध्य प्रदेश बना है. मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य में मंडीदीप, सीहोर, विदिशा और रायसेन जैसे शहरों को भी मेट्रो से जोड़ने की योजना बनाएंगे. वहीं ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन के लोगों को भी मेट्रो की सौगात दी जाएगी. मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि 6940 करोड़ की लागत 30.95 किमी क्षेत्र में विश्व स्तरीय भोपाल मेट्रो की आरामदेह आवागमन की सुविधाओं से लोग गौरवान्वित महसूस करेंगे.

रिकार्ड समय में काम हुआ पूरा

नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई और मेट्रो कॉरपोरेशन के एमडी मनीष सिंह के अथक प्रयास से मेट्रो रेल पटरियों के बिछाने का कार्य एवं ट्रेन के प्रथम परीक्षण के लिए आवश्यक आवश्यक सिस्टम संबंधी काम रिकॉर्ड समय में किये गए है. पांच किलोमीटर के दायरे में पांच स्टेशन का इंफ्रास्ट्रक्चर एक वर्ष आठ माह में पूरा किया गया. नौ किलोमीटर ट्रैक पांच माह में बिछ और सात ब्लास्टलेस ट्रैक टर्नआउट का निर्माण केवल 10 दिन में हुआ.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
15	Navbharat	Indore	04.10.2023	12	कमलनाथ ने किया था मेट्रो का शिलान्यास	Neutral

कमलनाथ ने किया था मेट्रो का शिलान्यास

कांग्रेस सरकार में 100 करोड़ के टेंडर भी हो गए थे जारी

कांग्रेस का दावा- उद्घाटन भी करेंगे कमलनाथ

दिसंबर 2022 में होना था भोपाल मेट्रो का उद्घाटन

नवभारत न्यूज

भोपाल, 3 अक्टूबर. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में भोपाल मेट्रो के ट्रायल रन का शुभारंभ किया. इसके बाद से कांग्रेस मुख्यमंत्री पर हमलावर हो गई है. कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुरेन्द्र राजपूत और प्रदेश मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके उपाध्यक्ष अब्बास हफीज ने प्रेसवार्ता के माध्यम से कई बड़े दावे किए.

उन्होंने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सितंबर 2019 में ही भोपाल के लिए भोज मेट्रो और इंदौर के लिए इंदौर मेट्रो का तोहफा दिया था और दिसंबर 2022 में भोपाल में मेट्रो ट्रेन और अगस्त 2023 में इंदौर में मेट्रो ट्रेन चलनी थी वह समय पर क्यों नहीं चल सकी.राजपूत ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान सरकार मध्य प्रदेश की जनता को बरगलाने और ठगने के अपने अभियान में निरंतर सक्रिय है. वह भोपाल में मेट्रो के एक बिना पहिए वाले डिब्बे का भी नुमाइश कर चुके हैं और उसके पहले उन्होंने इंदौर मेट्रो के ट्रायल रन का शुभारंभ किया. कमलनाथ द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं को दो-दो साल तक लेट करने की जिम्मेदारी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की नहीं है.

कांग्रेस नेताओं के प्रमुख दावे

यह कमलनाथ ही थे जिन्होंने केंद्र सरकार में मंत्री रहते हुए मध्य प्रदेश के लिए कई नेशनल हाईवे और सड़कों के लिए पैसे स्वीकृत किए. यह कमलनाथ ही थे जिन्होंने स्वर्गीय बाबूलाल गौर के मुख्यमंत्री कार्यकाल में भोपाल मेट्रो की डीपीआर बनाने के लिए धनराशि स्वीकृत की थी.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
16	Nav Duniya	Indore	04.10.2023	11	इंदौर मेट्रो का ट्रायल रन पूरा, सीएम शिवराज ने कहा –इंदौर का नया दौर शुरू	Positive

भोपाल मेट्रो का ट्रायल रन, मुख्यमंत्री ने दिखाई हरी झंडी, सवारी भी की

भोपाल (नईदुनिया प्रतिनिधि)। 30 सितंबर को इंदौर में मेट्रो के ट्रायल रन के बाद मंगलवार को भोपाल में भी मेट्रो का ट्रायल रन हुआ। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जैसे ही सुभाष नगर स्टेशन से मेट्रो के ट्रायल रन को हरी झंडी दिखाई, सैकड़ों शहरवासियों ने तालियां बजाकर मेट्रो का स्वागत किया। औपचारिक शुभारंभ के बाद मुख्यमंत्री इसी मेट्रो में बैठकर रानी कमलापति स्टेशन पहुंचे। मेट्रो जिस-जिस स्थान से गुजरी, नीचे सड़क से गुजर रहे लोग टकटकी लगाकर उसे देखते रहे। रानी कमलापति मेट्रो स्टेशन पर उतरने के बाद मुख्यमंत्री ने मीडिया से चर्चा में कहा कि वर्ष 2024 में मेट्रो का संचालन पूरी तरह से शुरू कर दिया जाएगा। बता दें कि पहले चरण में मेट्रो का संचालन आरेंज कारिडोर में एम्स से करोंद तक किया जाना है, लेकिन इससे पहले एम्स से सुभाष नगर के बीच करीब सात किमी के प्रायोरिटी कारिडोर में इसका संचालन किया जाएगा। पूर्व में ट्रायल रन भी

जनप्रतिनिधियों के साथ मेट्रो ट्रेन में यात्रा करते मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान। ● सौजन्य :जनसंपर्क विभाग

एम्स तक किया जाना था, लेकिन रानी कमलापति स्टेशन के आगे निर्माण कार्य अधूरा होने से इसका ट्रायल रन आरकेएमपी तक ही किया गया। मेट्रो के अधिकारियों के अनुसार मई 2024 में मेट्रो प्रायोरिटी कारिडोर पर दौड़ सकती है।

'शिलान्यास कमल नाथ ने किया था और उद्घाटन भी करेंगे'

भोपाल (राज्य ब्यूरो)। भोपाल और इंदौर में मेट्रो ट्रेन परियोजना का शिलान्यास तत्कालीन मुख्यमंत्री कमल नाथ ने किया था और वे ही उद्घाटन भी करेंगे। भाजपा सरकार ने परियोजना पूर्ण करने में विलंब किया और अब ट्रायल रन का शुभारंभ करके श्रेय लेने का प्रयास किया जा रहा है। यह आरोप कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने मंगलवार को भोपाल में लगाया।

उन्होंने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकारवार्ता में बताया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री कमल नाथ ने सितंबर 2019 में भोपाल और इंदौर मेट्रो की सौगात दी थी। उन्होंने ही भोपाल मेट्रो के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन बनाने के लिए केंद्र में मंत्री रहते हुए राशि स्वीकृत की थी। 278 करोड़ रुपये की निविदा शिलान्यास के पहले ही जारी कर दी थी।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
17	Navduniya	Indore	04.10.2023	05	मेट्रो : सड़क पर बेवजह लगे टिनशेड हटाए, लोगों को रहात	Neutral

मेट्रो : सड़क पर बेवजह लगे टिनशेड हटाए, लोगों को राहत

विजय नगर चौराहे पर मेट्रो कंपनी ने हटाए टिन शेड। ● नईदुनिया

नईदुनिया खबर का असर

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मेट्रो निर्माण के कारण कंपनी ने पूरी मेट्रो लाइन के नीचे टिनशेड लगा दिए थे। विजय नगर चौराहा, बापट चौराहा, लवकुश चौराहे समेत कई जगहों पर काम पूरे होने बावजूद मेट्रो कंपनी ने लापरवाही करते हुए टिनशेड नहीं हटाए थे। इसके वजह से आए दिन हादसे हो रहे थे।

इस मुद्दे को नईदुनिया ने 9 अगस्त के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इससे हरकत में आकर कंपनी ने टिनशेड हटाने की योजना बनानी शुरू कर दी। अब

टिनशेड लगाकर घेरी सड़क, हो रहे हादसे

इस मुद्दे को नईदुनिया ने 9 अगस्त के अंक में प्रमुखता से प्रकाशित किया था।

विजय नगर चौराहे से मेट्रो कंपनी ने टिनशेड हटा लिए हैं। टिनशेड हटने से यातायात संचालन के लिए और जगह मिल गई। इससे व्यस्त समय में भी लोगों को बेवजह नहीं फंसना पड़ता है।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
18	Freepress	Indore	04.10.2023	03	BHOPAL METRO IS NOW A REALITY	Positive

NATION
www.freepressjournal.in INDORE | WEDNESDAY | OCTOBER 4, 2023

BHOPAL METRO IS NOW A REALITY

EXCITING MILESTONE:
With CM onboard, train covers 5 km trial run

OUR STAFF REPORTER
city.bhopal@fpj.co.in

Chief Minister Shivraj Singh Chouhan flagged off the trial run of Bhopal Metro here on Tuesday at Subhash Nagar metro depot on Tuesday. The chief minister along with public representatives, senior officials, and distinguished citizens from the city enthusiastically boarded the Metro train, enjoying its inaugural 5-kilometer journey between Subhash Nagar depot and Rani Kamlapati Railway Station.

Chief Minister Chouhan emphasized Bhopal's transformation into a metro city, describing it as a significant milestone. Many people had doubts if the Metro project would get completed but impossible things have been made possible here in the State, said the Chief minister. He further said that if required, the metro train service will be extended up to Mandideep, Sehore, Vidisha and Raisen in future.

" Bhopal is a beautiful city and it looks more beautiful from the Metro train," said the Chief Minister while speaking to the media upon reaching Rani Kamlapati Railway Station. Metro means "safe, comfortable, smooth, online ticketing, pollution free and cheap journey" as compared to other modes of transport, the chief minister said on the occasion.

CONTD. ON P6

CM Shivraj Singh Chouhan during the launch of Bhopal Metro's trial run in Bhopal

Bhopal Metro is...

Recalling the transformations the public transportation has undergone in the city, the Chief Minister said when he came to the city for further studies after Class 4, tongas were the only mode of local transport. Later tempos, popularly known as "bhat suar", ruled the city roads, he said adding that now after autorickshaws, taxis, city buses, minibuses and BRTS, people of the state capital will now travel in swanky metro trains that will revolutionize the transportation mode.The sanctioned cost for the construction of the 31-km Bhopal Metro Rail project is Rs 6,000 crore. The three metro coaches were brought by road to Bhopal from Vadodara-based Alstom Company on September 17. The coaches were assembled and the safety trial run of the metro train was conducted successfully. The sitting capacity of every Metro coach is 50 people and its standing capacity is 300 people. Metro coaches are equipped with modern facilities and are air conditioned coaches.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
19	Patrika	Indore	04.10.2023	11	भोपाल से मंडीदीप ही नहीं सीहोर-विदिशा तक मेट्रो	Positive

सीएम ने भोपाल मेट्रो के ट्रायल रन को दिखाई हरी झंडी

भोपाल से मंडीदीप ही नहीं सीहोर-विदिशा तक मेट्रो

फोटो: अजय शर्मा

सीएम ने कहा, भोपाल मेट्रो में आज बैठा हूं। भोपाल पहले से ही सुंदर ह।, मेट्रो से ये बहुत सुंदर नजर आ रहा है।

सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन।

गिनाए फायदे

मुख्यमंत्री ने सुभाष डिपो पर अपने संबोधन के दौरान छुक-छुक रेलगाड़ी... वाला गाना गाकर खुशी जाहिर की। उन्होंने मेट्रो का लाभ बताते हुए कहा कि मेट्रो यानी सुरक्षित सफर। ये सुगम और सुविधाजनक है। ऑनलाइन टिकट मिलने से लाइन का झंझट भी खत्म होगा। प्रदूषण रहित होने के साथ यह तेज भी है।

भोपाल @ पत्रिका. सीएम शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को सुभाष डिपो से भोपाल मेट्रो के ट्रायल रन को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि इसे मंडीदीप, सीहोर और विदिशा तक चलाएंगे। इसके लिए प्लानिंग कर रहे हैं। बोले- मैंने अपना बचपन भोपाल में गुजारा। इक्का-तांगा से अब हमें मेट्रो तक का सफर याद आ रहा है। मप्र अब गड्ढों वाला नहीं, मेट्रो वाला प्रदेश है। सीएम ने विधायक, घोषित प्रत्याशी, महापौर समेत भाजपा के पदाधिकारियों के साथ सुभाष स्टेशन से रानी कमलापति स्टेशन तक मेट्रो में सफर किया।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
20	Freepress	Indore	05.10.2023	06	Nest set of Metro coaches may arrive after 2 months	Neutral

INDORE CITY
INDORE | THURSDAY | OCTOBER 5, 2023 www.freepressjournal.in

Next set of Metro coaches may arrive after 2 months

OUR STAFF REPORTER
city.bhopal@fpj.co.in

The next set of Metro train coaches is expected to arrive in Bhopal after one and half or two months. The remaining sets of the train will be brought in a phased manner.

Once completed, a total of 27 metro trains will be operated in the city.

So far, a successful trial run of the first Metro train was conducted on Tuesday.

The metro coaches are being manufactured at ALSTOM's Savli plant (Vadodra-Gujarat). The cost of one set of Metro coaches (comprising three modern coaches with engines) is around Rs 27 crore. This cost covers production, design, commissioning and maintenance etc.

"As the project progresses, more sets of trains will be brought in phased manner. By 2026, all 27 sets are expected to run in Bhopal," a senior officer associated with the project said.

Sources in the Madhya Pradesh Metro Rail Corporation Limited told Free Press that after the trial run of the first set of metro trains, more trials would be conducted to increase the speed of the train. During the first trial course, the speed was between 10 and 15 km per hour.

The train is designed to run at the speed of around 90 km per hour. By running the metro train often, its speeds will be taken near about 80 km per hour. Before going for commercial operation, it is mandatory to conduct regular testing.

Usually, it is only after six months of trial run that a Metro train is allowed to go for commercial operation. "It is necessary that the metro train should have completed at least 2,000 km run before going for commercial operation," an officer of Bhopal Metro Project said.

The commercial operation of the Metro is being anticipated in May and June.

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
21	पत्रिका	इंदौर	06.10.2023	03	देश के 14 शहरों मे मेट्रो पॉलिटन अथॉरिटी, इंदौर मे भी गठन प्रक्रिया शुरू	Neutral

इंदौर INDOREPRIME प्राइम | पत्रिका
इंदौर, शुक्रवार, 6 अक्टूबर 2023

कलेक्टर ने सीएम सचिवालय भेजी जानकारी

देश के 14 शहरों में मेट्रो पॉलिटन अथॉरिटी, इंदौर में भी गठन प्रक्रिया शुरू

इंदौर @ पत्रिका. मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने 30 सितंबर को मेट्रो के ट्रायल के दौरान इंदौर में मेट्रो पॉलिटन अथॉरिटी बनाने की घोषणा की थी। कलेक्टर ने सीएम कार्यालय को पत्र लिखकर अथॉरिटी बनाने की कवायद पर काम शुरू होने की जानकारी दी है। मुख्यमंत्री सचिवालय ने भी तत्काल कार्रवाई शुरू करते हुए नगरीय प्रशासन व आवास विभाग को पत्र लिखा है। इसे लेकर 17 अक्टूबर को बैठक प्रस्तावित है। देश के 14 प्रमुख शहरों में मेट्रो पॉलिटन अथॉरिटी बनी है। जयपुर और हैदराबाद के मॉडल को इसमें प्राथमिकता दी जा सकती है।

शहर के विशेषज्ञ और प्रबुद्धजन एक-दो दिन में भोपाल जाकर नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव से मुलाकात कर सुझाव देंगे। इस बीच घोषणा को अमल में लाने की तैयारी शुरू हो गई है। कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी ने सीएम सचिवालय को मुख्यमंत्री की घोषणाओं की जानकारी दी है। इसमें मेट्रो को उज्जैन व पीथमपुर तक चलाने, गांधीनगर में रजिस्ट्री पर लगा बैन हटाने और इंदौर में मेट्रो पॉलिटन अथॉरिटी बनाने के गठन को शामिल किया गया है।

पुख्ता मास्टर प्लान भी बनेगा

इंदौर उत्थान अभियान के अध्यक्ष अजीत नारंग के मुताबिक, पहले जयपुर के मॉडल का अध्ययन कर शासन को उसे लागू करने का सुझाव दिया था। कुछ समय पहले हैदराबाद में भी अथॉरिटी बनी है, वहां का मॉडल भी अच्छा है। अथॉरिटी बनने से पुख्ता मास्टर प्लान बनेगा। अथॉरिटी में इंदौर, धार, उज्जैन देवास को शामिल किया जाएगा। इसके लिए टाउन एंड कंट्री प्लानिंग एक्ट में बदलाव करना होगा।

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
22	दैनिक भास्कर	इंदौर	09.10.2023	J6	600 स्मार्ट सिटी बस स्टॉप बनेंगे; मेट्रो रूट से कनेक्ट करें वाई-फ़ाई देंगे, हर स्टॉप पर माइ बाइक साइकिल स्टैन्ड भी	Neutral

दैनिक भास्कर इंदौर 09-10-2023 Pg-J6

इंदौर फ्रंट पेज

dainikbhaskar.com दैनिक भास्कर इंदौर, सोमवार 09 अक्टूबर, 2023

पीपीपी मॉडल पर 30 करोड़ में बनेंगे, 12 से 15 साल तक कंपनी मेंटेनेंस करेगी, शहर के पुराने 150 बस स्टॉप भी संवारे जाएंगे

पब्लिक ट्रांसपोर्ट बढ़ाने निगम का बड़ा कदम

600 स्मार्ट सिटी बस स्टॉप बनेंगे; मेट्रो रूट से कनेक्ट करेंगे, फ्री वाईफाई देंगे, हर स्टॉप पर माय बाइक साइकिल स्टैंड भी

भास्कर संवाददाता | इंदौर

शहर में 600 स्मार्ट सिटी बस स्टॉप बनेंगे। हर स्टॉप से मेट्रो ट्रेन के रूट की कनेक्टिविटी रहेगी। बस में नियमित सफर करने वालों को स्टॉप पर फ्री वाईफाई की सुविधा भी मिलेगी। पीपीपी मॉडल पर 30 करोड़ में इन्हें बनाया जाएगा। एक स्टॉप बनाने पर 5 लाख का खर्च अनुमानित है। 12 से 15 साल तक कंपनी इनका मेंटेनेंस भी करेगी। संभवतः चुनाव के बाद इनकी टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी। जिस कंपनी को कॉन्ट्रैक्ट मिलेगा, हर माह विज्ञापन से होने वाली कमाई से निगम को हिस्सा भी देगी।

शहर में फिलहाल 150 सिटी बस स्टॉप हैं, लेकिन ज्यादातर की स्थिति अच्छी नहीं है। कहीं बेंच तो कहीं छत ही क्षतिग्रस्त है। अतिक्रमण के साथ ही कहीं पर भी स्टॉप की नाम पट्टिकाएं तक नहीं हैं। कुछ बस स्टॉप ऐसी जगह बने हैं, जहां बस स्टॉप के ठीक सामने खड़ी नहीं हो पाती है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कई बड़े शहरों में स्टडी कराई गई, तब यह नया मॉडल लेकर आए हैं। इसमें रूट संख्या बढ़ाने से पहले बस स्टॉप की हालत सुधारी जाएगी।

कैमरों से नजर, रियल टाइम बस की सूचना मिलेगी

- इस तरह डिजाइन किया जाएगा कि दूर से दिखाई दे जाए कि बस स्टॉप कितनी दूरी पर है। उस पर जगह का नाम भी लिखा जाएगा। इसे एलईडी युक्त बनाया जाएगा।
- सीसीटीवी लैस किया जाएगा जो 24 घंटे निगरानी रखेंगे।
- एलईडी बस लोगो साइनेज बोर्ड पर बनेगा ताकि ड्राइवर उसे आसानी से देख सके।
- एडवरटाइजमेंट डिस्प्ले।

स्मार्ट बस स्टॉप की डिजाइन ऐसी रहेगी

- स्क्रीन लगेगी, जिस पर रियल टाइम बस की सूचना रहेगी।
- दृष्टिबाधित के लिए विशेष व्यवस्था होगी।
- हर स्टॉप के पास माय बाइक साइकिल स्टैंड बनेगा ताकि लास्ट माइल कनेक्टिविटी सुनिश्चित हो सके।
- फुटपाथ पर बने पुराने बस स्टॉप की दोबारा प्लेसमेंट तय की जाएगी। इन्हें भी पूरी तरह डिजिटल किया जाएगा।

अभी यह परेशानी... स्टॉप पर अतिक्रमण, लाइट नहीं, बस भी दूर खड़ी रहती है

- अभी स्टॉप ऐसे बने हैं कि उनके पीछे चलने की जगह नहीं बची है। दुकानदारों ने अतिक्रमण कर रखा है।
- ज्यादातर समय वाहनों की पार्किंग होती है, हॉकर्स जोन बना है, इसलिए बस निर्धारित जगह पर खड़ी नहीं हो पाती। तय जगह से या तो थोड़ी आगे या थोड़ी पीछे खड़ी होती है।
- लाइट का इंतजाम नहीं होने से रात में अंधेरा छाया रहता है।
- टेक्स्चर टाइल्स नहीं होने से दृष्टिबाधितों के लिए परेशानी होती है।
- डिजाइन ऐसी है कि पैदल निकलने वाले आसानी से नहीं जा पाते। यात्री यहां तक पहुंचने में परेशान होते हैं।

सोलर एनर्जी से जगमगाएंगे, बसें भी बढ़ाएंगे

600 से ज्यादा सिटी बस स्टॉप को स्मार्ट किया जाएगा। इसमें 150 पुराने भी शामिल रहेंगे। हमारी मंशा है कि हम इन्हें सोलर बेस्ड करें। शहर में पब्लिक ट्रांसपोर्ट को मजबूत करने की जरूरत है। इसके लिए रूट और बसों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी। हम चाहते हैं कि इन सिटी बस स्टॉप को ई-रिक्शा से भी कनेक्ट करें, ताकि लोगों को घर पहुंचने तक सुलभ और सस्ता परिवहन उपलब्ध हो पाए।

- पुष्यमित्र भार्गव, महापौर

महानगरों की स्टडी कर डिजाइन किए हैं

हमने चेन्नई, दिल्ली, पुणे, मुंबई सहित कई शहरों में पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए बने बस स्टॉप की डिजाइन का अध्ययन किया है। वहां होने वाले दिक्कतों को चिह्नित किया है। उसके बाद नया प्लान बनाया है, ताकि बसों को सही जगह मिल पाए। पूरी तरह डिजिटलाइज करेंगे।

- मोनल जैन, अर्बन प्लानर

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
23	दैनिक भास्कर	इंदौर	09.10.2023	J5	मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने एमजी रोड़ पर मिट्टी के सैम्पल जांच के लिए जयपुर भेजे	Neutral

दैनिक भास्कर

इंदौर 09-10-2023

Pg-05

मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने एमजी रोड पर मिट्टी के सैंपल्स जांच के लिए जयपुर भेजे

इंदौर | एमजी रोड पर मेट्रो के अंडरग्राउंड रूट के लिए मिट्टी की जांच के सैंपल्स जयपुर भेज दिए गए हैं। वहां से रिपोर्ट मिलने के बाद डिजाइन तैयार की जाएगी। मालूम हो, पलासिया के बाद कालानी नगर तक मेट्रो अंडरग्राउंड चलेगी। इसके लिए टेंडर भी बुलवाए जा चुके हैं। उधर, मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने गांधी नगर से रेडिसन चौराहे तक रेस्टोरेशन का काम शुरू करवा दिया है। यानी प्रोजेक्ट के काम के कारण जिन जगह सड़कें या फुटपाथ क्षतिग्रस्त हुए थे, उन्हें दुरुस्त किया जा रहा है।

MPMETRO

MPMETRO

METRO NEWS

10th October,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
24	दैनिक भास्कर	इंदौर	10.10.2023	01	मेट्रो लाइन की सुरक्षा का जिम्मा आईडीए को मिला	Neutral

दैनिक भास्कर डीबी स्टार इंदौर 10-10-2023

Pg-01

मेट्रो लाइन की सुरक्षा का जिम्मा आईडीए को मिला

ट्रैक के दोनों ओर कंक्रीट की दीवार बनेगी ताकि कोई वाहन टकराए तो लाइन को नहीं पहुंचे नुकसान

इंदौर (डीबी स्टार)

शहर में मेट्रो के ट्रायल के साथ अब इसकी सुरक्षा की तैयारी भी शुरू हो गई है। सड़क पर चलने वाले वाहनों से बचाने के लिए मेट्रो लाइन के दोनों तरफ बैरियर बनाए जाएंगे, जिसका जिम्मा आईडीए को सौंपा गया है।

गांधी नगर डिपो से टीसीएस चौराहा तक 5.9 किमी लंबे रूट पर 30 सितंबर को मेट्रो का ट्रायल रन हुआ। सुपर कॉरिडोर पर इस हिस्से में मेट्रो लाइन का काम लगभग पूरा होने वाला है। सुपर कॉरिडोर पर वाहनों की काफी आवाजाही रहती है, जिसमें भारी वाहन भी शामिल हैं। इन वाहनों से मेट्रो के पिलर को नुकसान नहीं पहुंचे, इसके लिए ट्रैक के दोनों तरफ कंक्रीट की मोटी दीवार बनाई जाएगी। इस काम का जिम्मा आईडीए को दिया है। यह काम लक्कुश चौराहे से गांधी नगर चौराहे तक होगा। आठ किमी के इस हिस्से में आईडीए मेट्रो लाइन के दोनों तरफ कंक्रीट की एक मीटर ऊंची दीवार बनेगी, जिसे क्रैश बैरियर कहा जाता है। यदि कोई वाहन गलती से या एक्सीडेंट के कारण मेट्रो लाइन की तरफ आता है, तो इस दीवार से टकरा जाएगा और मेट्रो लाइन को नुकसान नहीं होगा। मेट्रो लाइन के दोनों तरफ अभी लोहे की चादर लगी हैं।

सीएम की घोषणा- छह महीने में शुरू होगी मेट्रो

- ट्रायल रन के दौरान नेता-अफसरों के बाद शहर के कुछ लोगों ने भी मेट्रो में गांधी नगर से टीसीएस चौराहे तक सफर किया था। इस दौरान मुख्यमंत्री ने छह महीने में मेट्रो में यात्री सेवाएं शुरू करने, इसे पीथमपुर तक ले जाने और 2028 के सिंहस्थ तक उज्जैन को भी मेट्रो से जोड़ने की घोषणा की थी।
- **मेट्रो की तरफ से दिया गया है काम...** इंदौर विकास प्राधिकरण को यह काम मेट्रो रेल इंदौर की तरफ से दिया गया है। इसके लिए आईडीए को एक महीने पहले ही पत्र लिख दिया था। इसके लिए आठ करोड़ 30 लाख रुपए भी जमा करवा दिए थे।

*मेट्रो लाइन की सुरक्षा के लिए क्रैश बैरियर बनाने का काम इंदौर विकास प्राधिकरण को दिया है। इसके लिए मेट्रो रेल इंदौर में आईडीए को पैसे भी जमा करवा दिए हैं। - **अजय कुमार,** जीएम मेट्रो रेल इंदौर*

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
25	राज एक्सप्रेस	इंदौर	10.10.2023	09	सुरक्षा: आधुनिक जिओएस-4 तकनीक से लैस होगी मेट्रो ट्रेन	Neutral

सुरक्षा : आधुनिक जीओएस-4 तकनीक से लैस होगी मेट्रो ट्रेन

पटरी पर गडबड़ी हुई तो अपने आप रुक जाएगी ट्रेन

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

इंदौर की मेट्रो ट्रेन की सुरक्षा को लेकर बताया गया कि यह जीओए-4 तकनीक से लैस होकर चलेगी। यह एक प्रकार की सुरक्षा तकनीक है। इस तकनीक के चलते यदि पटरी पर किसी तरह की छेड़छाड़ करने पर अथवा नुकसान पहुंचाने के प्रयास किए तो ट्रेन बिजली का सर्किट टूट जाएगा और ट्रेन अपने आप ही रुक जाएगी।

गत दिनों मेट्रो ट्रेन के ट्रायल रन के बाद अब जल्दी ही शहर में दौडने की संभावना हो गई है। मेट्रो शुरू होने के साथ ही इसकी तकनीक और खतरों को लेकर भी चर्चाऐं शुरू हो गई है। दरअसल जमीन के भीतर और ऊंचाई पर चलने वाली इस ट्रेन की पटरी में किसी तरह की गड़बड़ी हो जाए तो क्या होगा। इसको लेकर मेट्रो रेल कार्पोरेशन से एक जानकारी सामने आई है कि इंदौर की मेट्रो ट्रेन एक नई तकनीक के साथ में चलेगी, जिसके चलते पटरी पर कोई भी गड़बड़ी होते ही ट्रेन स्वतः ही रुक जाएगी। इससे हादसे की संभावना बहुत कम रहेगी। डायरेक्टर शोभित टंडन के अनुसार मेट्रो को सामान्य ट्रेन की तरह ट्रेन ऊपर लगे हुए पेंटोग्राफ से बिजली नहीं मिलेगी, बल्कि उसे ऊर्जा पटरियों से मिलेगी। बताया जाता है कि ट्रायल रन के समय छह किलोमीटर लंबा ट्रैक पूरी तरह से तैयार हो गया था, अब उसके आगे का काम किया जा रहा है और अगले 6 माह में गांधीनगर से रेडिसन चौराहे तक मेट्रो ट्रेन शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है।

पटरी पर डीसी करंट रहेगा

मेट्रो को पटरी से करंट मिलेगा। पटरी से किसी को करंट नहीं लगेगा क्योंकि यह करंट डीसी (2 से 2 वाट) रहेगा। ट्रेन के लिए ली गई बिजली को एसी से डीसी में बदल कर पटरियों पर सप्लाई किया जाएगा। इंजन पटरियों से पॉवर सप्लाय लेकर फिर दौड़ेगा। यह एक ड्राइवर लैस तकनीक भी कही जा सकती हैं, क्योंकि ट्रेन एक सिस्टम से चलेगी। जिससे इंजन में किसी अटेंडेंट की जरूरत नहीं रहती है।

Metro News

23 october ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
26	दैनिक भास्कर	Indore	23.10.2023	06	विजय नगर आईएसबीटी समेत 4 जगह मल्टीमॉडल ट्रां हब बनाएं, इससे सिटी बस ,मेट्रो की बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी	Neutral

दैनिक भास्कर इंदौर 23-10-2023

इंदौर फ्रंट पेज

दैनिक भास्कर मिशन ट्रैफिक कंट्रोल

• शहर में ट्रैफिक का दबाव कम करने के लिए इंजीनियरिंग संस्थान एसजीएसआईटीएस की रिसर्च, रिपोर्ट जल्द प्रशासन को देंगे

सुलभ लोक परिवहन के लिए अब तक का सबसे बड़ा सुझाव

विजय नगर, आईएसबीटी समेत 4 जगह मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब बनाएं; इससे सिटी बस, मेट्रो की बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी

भास्कर संवाददाता | इंदौर

प्रस्ताव इसलिए ताकि लोग शहर में एक से दूसरे छोर तक आसानी से पहुंच सकें, इससे वाहनों का बोझ कम होगा

शहर में ट्रैफिक के दबाव को कम करने के लिए जीएसआईटीएस ने रिसर्च की है। रिपोर्ट जल्द ही प्रशासन को सौंपी जाएगी। इसके मुताबिक सिटी बस, मेट्रो की बेहतर कनेक्टिविटी के लिए मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इससे लोक परिवहन सुलभ होगा। बाहर से आने वाले, बाहर जाने वाले और शहर में एक से दूसरे छोर तक पहुंचने के लिए लास्ट माइल कनेक्टिविटी के साथ पब्लिक ट्रांसपोर्ट मिल सकेगा।

13 लाख कामकाजी लोग हैं शहर में

31 लाख ट्रिप रोज लग रही वाहनों की

एसजीएसआईटीएस सिविल विभाग के विभागाध्यक्ष संदीप नारुलकर कहते हैं वर्तमान में लोक परिवहन का इंटीग्रेशन नहीं होने से लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने के लिए समय अधिक लगता है। इंटीग्रेटेड टर्मिनल नहीं होने से ब्रेक जर्नी में भी परेशानी होती है। इन मुश्किलों के कारण लोग लोक परिवहन का उपयोग कम करते हैं। मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब इस तरह की समस्याओं को दूर करेंगे। इन हब पर सभी लोक परिवहन व उपनगरीय सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। रिसर्च में सुगम लोक परिवहन, पैदल यात्रियों के फुटपाथ आदि पर अध्ययन किया है।

मेट्रो लाइन के आसपास होगा टीओडी- मेट्रो लाइन बनने के बाद इस क्षेत्र में ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट होगा। इससे मेट्रो लाइन के दोनों ओर कमर्शियल विकास तेजी से होगा। इन टर्मिनल के बनने से सुपर कॉरिडोर, एयरपोर्ट और भविष्य में बनने वाले इकोनॉमिक कॉरिडोर तक आवाजाही आसान होगी।

आईएसबीटी-एमआर-10

1 यहां पर इंटर स्टेट बस टर्मिनल बन रहा है। इसे मेट्रो स्टेशन से भी जोड़ा गया है। इसके समीप से ही रेलवे लाइन गुजर रही है। यह पश्चिम रिंग रोड-एमआर-4 का भी आखिरी छोर है। यहां पर रेलवे का स्टॉप बनाकर, लोकल ट्रेन, यात्री बस, उपनगरीय बस, सिटी बस और आईटीपी का जंक्शन बना सकते हैं। इससे यहां से सभी इंटर स्टेट सर्विसेस की बसेस को जोड़कर पूर्व व पश्चिम शहर में आवाजाही आसान की जा सकती है।

विजय नगर

2 बीआरटीएस और एमआर-10 के जंक्शन पॉइंट पर मेट्रो, बीआरटीएस और सिटी बसों की आवाजाही होती है। इन सड़कों पर आईपीटी यानी ई रिक्शा, वैन और मैजिक भी उपलब्ध हैं। इसके लिए वर्तमान में विजय नगर चौराहे के समीप खाली जगह को मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब के तौर पर विकसित कर सकते हैं। यहां पर मेट्रो, बीआरटीएस के स्टेशन तो बन रहे हैं। उपनगरीय, सिटी बसों और आईटीपी के लिए भी यहां टर्मिनल पॉइंट बना दिया जाए तो लोगों को आसानी होगी।

राजीव गांधी चौराहा

3 रिंग रोड, बीआरटीएस-एबी रोड, राऊ-राजेंद्र नगर और बायपास को जोड़ने वाले एमआर-3 का जंक्शन है। इस चौराहे के आसपास ट्रांसपोर्ट हब तैयार किया जाए तो स्थानीय लोगों के साथ ही शहर के आउटर में बन रहे आईएसबीटी और बस स्टैंड से कनेक्टिविटी आसान होगी। लोग बीआरटीएस, मेट्रो का उपयोग करके कमर्शियल एरिया में आवाजाही कर सकेंगे। यह टर्मिनल पूर्वी और पश्चिम क्षेत्र को तेज गति के लोक परिवहन से जोड़ेंगे।

रेलवे स्टेशन-सरवटे बस स्टैंड

4 यह मध्य शहर का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां शहर का मुख्य रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड है। इसके समीप ही मेट्रो का अंडर ग्राउंड स्टेशन भी बनेगा। यहां पर भी सिटी बस और आईटीपी का टर्मिनल बनाकर हब बना सकते हैं। इससे आईएसबीटी, रेलवे स्टेशन के बीच सीधी कनेक्टिविटी बन सकेगी।

MP Metro News

27 Oct ,2023

S.No.	Source	Edition	Date	Page	Context	Type
27	Free Press	Indore	27.10.2023	12	Second set of metro coaches to reach city in December	Neutral

MADHYA PRADESH
INDORE | FRIDAY | OCTOBER 27, 2023 www.freepressjournal.in

Second set of metro coaches to reach city in December

OUR STAFF REPORTER
city.indore@fpj.co.in

The second set of Indore Metro trains will reach the city in December. A set of three coaches is being made at the company's plant in Vadodara, which will be ready in a month and a half. After that, these coaches will be sent to Indore at the end of the year. Along with Indore, the second set of Bhopal metro is also being prepared to be sent in December itself.

The contract for manufacturing coaches of Indore-Bhopal metro train has been given to Alstom Company. About 75 coaches are to be introduced for the Indore Metro corridor in the coming years, which will come in the form of 25 train sets (three coaches per set). At present, one set has been sent for Indore and Bhopal and the trial run of the metro corridor was done from them.

Preparations are underway to open the metro corridor in Indore to the general public between May and June 2024. With the arrival of more rakes in December the trials can be conducted at a faster pace.

In Indore and Bhopal also, efforts are being made to bring more and more train sets before opening the metro corridor for the public, so that the frequency of metro can be increased.